लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम पंजाब केसरी
दिनांक 16.2.2020 पृष्ठ सं. 2 कॉलम 1-6

हकृवि व उद्योग जगत के सहयोग से खुलेंगे रोजगार के अवसर : प्रो. सिंह

छोटे व मध्यम वर्ग के किसानों को लाभ पहुंचाने वाली योजना तैयार करे सरकार : बिरेंद्र

हिसार, 15 फरवरी (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में रविवार को किसान चैम्बर ऑफ कॉमर्स के तत्वावधान में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में पूर्व केंद्रीय मंत्री बीरेन्द्र सिंह ने मुख्यातिथि के रूप में शिरकत। पूर्व कृषि मंत्री सोमपाल शास्त्री व रिटायर्ड जस्टिस प्रीतम पाल विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता किसान चैम्बर ऑफ कॉमर्स के संरक्षक के रूप में तथा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. के.पी. सिंह ने की। कार्यक्रम में डा. आर.के. झोरड़, किसान चैम्बर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष वीरेन्द्र सिवाच, सचिव सुरेश देशवाल, कोषाध्यक्ष एस.एस. संधू ने किसान चैम्बर्स ऑफ कॉमर्स के उद्देश्य, किए गए कार्य और भविष्य की योजनाओं के बारे में विस्तार से बताया।

बीरेन्द्र सिंह ने कहा कि यह विश्वविद्यालय कृषि उत्पादकता बढ़ाने में अहम भूमिका निभा रहा है तथा खेती का बाजारीकरण करने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा स्थापित एग्री बिजनैस इंक्युबेशन सैंटर एक सराहनीय प्रयास है।

सरकार को इस तरह की पॉलिसी बनानी चाहिए, जिससे छोटे व मध्यम वर्ग के किसानों को इसका ज्यादा से ज्यादा मुनाफा मिल सके।

मीटिंग के दौरान मौजूद पूर्व मंत्री बीरेंद्र सिंह व अधिकारीगण। (नारंग)

» इंक्युबेशन सैंटर उद्यमियों के लिए विशेष कार्य कर रहा

कुलपति प्रो. के.पी. सिंह ने विश्वविद्यालय द्वारा चलाई जा रही किसान हितैषी विभिन्न परियोजनाओं के बारे में बताते हुए कहा कि एग्री बिजनैस इंक्युबेशन सैंटर कृषि आधारित उद्यमियों के लिए विशेष कार्य कर रहा है। उन्होंने किसान चैम्बर ऑफकॉमर्स को राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ावा देने पर जोर दिया। रिटायर्ड जज प्रीतम पाल ने अपने संबोधन में कहा कि 1960 में गेहूं का मूल्य 32-35 रुपए प्रति क्विंटल था जो आज 1860 रुपए प्रति क्विंटल है जो लगभग 52-53 गुना बढ़ौतरी हुई है। यह अन्य स्रोतों, नौकरी/व्यवसाय की अपेक्षा काफी कम है। उन्होंने बताया कि आज के समय छोटे व मध्यम किसान कर्ज में डूबा हुआ है। किसानों के कल्याण हेतु समाज की संवेदनशीलता व नीति निर्माण के लिए विश्वविद्यालय के विभाग प्रमुखों द्वारा मंथन किया गया। इस अवसर पर किसान चैम्बर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष वीरेन्द्र सिवाच, सचिव सुरेश देशवाल, कोषाध्यक्ष एस.एस. संधू, कर्नल एम.एस. दहिया, आर.पी. महतान, राजकुमार, रोहताश दहिया, अजयवीर, कर्नल एस.के. दलाल, जितेन्द्र मोर व देवकी सिवाच, डा. भूपेन्द्र सिंह मौजूद रहे।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम........ हरि भूमि ....

दिनांक 16.2.2020 पृष्ठ सं. 14 कॉलम 2-8

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में किसान चैम्बर ऑफ कॉमर्स के तत्वावधान में बैठक का आयोजन

एमएसपी का लाभ बड़े किसानों को : बीरेंद्र सिंह

- किसानों के कल्याण के लिए समाज की संवेदनशीलता व नीति निर्माण के लिए विश्वविद्यालय के विभाग प्रमुखों द्वारा मंथन किया गया

हरिभूमि न्यूज ▸▸ हिसार

हकृवि में किसान चैम्बर ऑफ कॉमर्स के तत्वावधान में आयोजित बैठक में शामिल मुख्य अतिथि पूर्व केंद्रीय मंत्री बीरेंद्र सिंह।

न्यूनतम समर्थन मूल्य का लाभ लगभग बड़े किसान ही उठा रहे हैं। सरकार को इस तरह की पॉलिसी बनानी चाहिए, जिससे छोटे व मध्यम वर्ग के किसानों को इसका ज्यादा से ज्यादा मुनाफा मिल सके।

यह बात पूर्व केंद्रीय मंत्री चौधरी बीरेंद्र सिंह ने शनिवार को हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में किसान चैम्बर ऑफ कॉमर्स के तत्वावधान में आयोजित बैठक को बतौर मुख्यातिथि संबोधित करते हुए कही। बैठक में पूर्व केंद्रीय कृषि मंत्री सोमपाल शास्त्री विशिष्ट अतिथि थे। एनजीटी द्वारा गठित निगरानी समिति के अध्यक्ष एवं रिटायर्ड जय प्रीतमपाल तथा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. केपी सिंह विशेष रूप

खेती का उद्योगीकरण करने पर दिया जोर

मुख्यातिथि ने कहा किसान चैम्बर ऑफ कॉमर्स को खेती का उद्योगीकरण करने पर जोर देना चाहिए। किसान उत्पादक संगठन का विस्तारीकरण करने में मदद की जाएं ताकि वह अपने उत्पादन का सीधा निर्यात कर सके। उन्होंने कहा कि हकृवि कृषि उत्पादकता बढ़ाने में अहम भूमिका निभा रहा है तथा

इन्होंने विचारों को सांझा किया

इस अवसर पर किसान चैम्बर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष वीरेन्द्र सिवाच, सचिव सुरेश देशवाल, कोषाध्यक्ष एस.एस. संधु, कृषि कॉलेज के अधिष्ठाता डॉ. आर.के. झोरड़, कर्नल एम.एस. दहिया, आर.पी. महतान, राजकुमार, रोहताश दहिया, अजयवीर, कर्नल एस.के. दलाल, जितेन्द्र मोर, देवकी सिवाच आदि भी अपने विचारों को साझा किया। इस अवसर पर भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के डॉ. एस.के. बिश्नोई तथा गुरू जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय से डॉ. भूपेन्द्र सिंह तथा हकृवि के रजिस्ट्रार, विशेष कार्यकारी अधिकारी, अधिष्ठाता, निदेशक व अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

चैम्बर ऑफ कॉमर्स के तीन मुख्य उद्देश्य तकनीकी सिफारिश, किसान

जस्टिस प्रीतम पाल ने अपने संबोधन में कहा कि वर्ष 1960 में

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम ....दैनिक भास्कर....
दिनांक 16. 2. 2020 पृष्ठ सं. 6 कॉलम 6-8

एचएयू के कार्यक्रम में उपस्थित पूर्व केंद्रीय मंत्री बीरेंद्र सिंह, साथ में वीसी डॉ केपी सिंह व अन्य वैज्ञानिक।

न्यूनतम समर्थन मूल्य का लाभ छोटे और मध्यम किसानों को मिलना चाहिए : बीरेंद्र

किसान चैम्बर ऑफ कॉमर्स की बैठक में पहुंचे पूर्व केंद्रीय मंत्री

भास्कर न्यूज | हिसार

न्यूनतम समर्थन मूल्य का लाभ बड़े किसान उठा रहे हैं। सरकार को इस तरह की पॉलिसी बनानी चाहिए, जिससे छोटे व मध्यम वर्ग के किसानों को इसका ज्यादा से ज्यादा मुनाफा मिल सके।

किसान चैम्बर ऑफ कॉमर्स को खेती का उद्योगीकरण करने पर जोर देना चाहिए। किसान उत्पादक संगठन का विस्तारीकरण करने में मदद की जाएं, ताकि वह अपने उत्पादन का सीधा निर्यात कर सके। यह बात पूर्व केंद्रीय मंत्री बीरेंद्र सिंह ने कही। वह शनिवार को एचएयू स्थित किसान चैम्बर ऑफ कॉमर्स के तत्वावधान में बैठक को संबोधित कर रहे थे। बीरेन्द्र सिंह ने कहा कि विवि उत्पादकता बढ़ाने में अहम भूमिका निभा रहा है तथा खेती का बाजारीकरण करने के लिए विश्वविद्यालय द्वारा स्थापित एग्री बिजनेस इंक्यूबेशन सेंटर एक सराहनीय प्रयास है। विशिष्ट अतिथि सोमपाल शास्त्री ने कहा कि किसान चैम्बर ऑफ कॉमर्स के तीन मुख्य उद्देश्य तकनीकी सिफ़ारिश, किसान हितैषी तथा स्पष्ट नीति निर्माण एवं समय-समय पर आधुनिक ज्ञान का विस्तार होने चाहिए। कुलपति प्रो. केपी सिंह ने कहा कि एचएयू किसानों की सेवा में हर समय तत्पर रहता है तथा किसान हितैषी कार्य विश्वविद्यालय का सर्वपरि ध्येय है।

उन्होंने विवि द्वारा चलाई जा रही किसान हितैषी विभिन्न परियोजनाओं के बारे में बताया। जसिट्स प्रीतम पाल ने कहा कि 1960 में गेहूं का मूल्य 32-35 रूपए प्रति क्विंटल था, जोकि आज 1860 रूपए प्रति क्विंटल है। उन्होंने बताया कि आज के समय छोटे व मध्यम किसान कर्ज में डूबा हुआ है। इस मौके पर डॉ. आरके झोरड़, डॉ. वीरेन्द्र सिवाच, सुरेश देशवाल, एसएस संधु, कर्नल एमएस दहिया, आरपी महतान, राजकुमार आदि मौजूद थे।

लोक संपर्क कार्यालय

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम......अमर उजाला......

दिनांक 16.2.2020 पृष्ठ सं. 6 कॉलम 3-5

बड़े किसान ही उठा रहे हैं न्यूनतम समर्थन मूल्य का लाभ : बीरेंद्र सिंह

अमर उजाला ब्यूरो

किसान चैंबर्स ऑफ कॉमर्स की बैठक को संबोधित करते पूर्व केंद्रीय मंत्री बीरेंद्र सिंह।

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (एचएयू) में शनिवार को किसान चैंबर ऑफ कॉमर्स के तत्वावधान में बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में पूर्व केंद्रीय मंत्री चौधरी बीरेंद्र सिंह ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की।

मुख्यातिथि चौ. बीरेंद्र सिंह ने कहा कि न्यूनतम समर्थन मूल्य का लाभ लगभग बड़े किसान ही उठा रहे हैं। सरकार को इस तरह की पॉलिसी बनानी चाहिए, जिससे छोटे व मध्यम वर्ग के किसानों को इसका ज्यादा मुनाफा मिल सके। उन्होंने कहा कि किसान चैंबर ऑफ कॉमर्स को खेती का औद्योगीकरण करने पर जोर देना चाहिए। किसान उत्पादक संगठन का विस्तारीकरण करने में मदद की जाएं, ताकि वह अपने उत्पादन का सीधा निर्यात कर सके।

सोमपाल शास्त्री ने कहा कि किसान चैंबर ऑफ कॉमर्स के तीन मुख्य उद्देश्य तकनीकी सिफारिश, किसान हितैषी व स्पष्ट नीति निर्माण एवं समय-समय पर आधुनिक ज्ञान का विस्तार होना चाहिए। उन्होंने मूल्य संवर्धन, गांव में रोजगार सृजन, एकीकृत कृषि प्रणाली, कृषि वानिकी, फसल विविधीकरण आदि अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने गांवों में लघु उद्योग स्थापित करने के लिए भी प्रेरित किया। इस अवसर पर किसान चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष वीरेंद्र सिवाच, सचिव सुरेश देशवाल, कोषाध्यक्ष एसएस संधु ने किसान चैंबर्स ऑफ कॉमर्स के उद्देश्य, किए गए कार्य और भविष्य की योजनाओं के बारे में बताया। बैठक में पूर्व मंत्री सोमपाल शास्त्री, एनजीटी के रिटायर्ड जज प्रीतम पाल और विवि के कुलपति प्रो. केपी सिंह ने शिरकत की। कुलपति प्रो. केपी सिंह ने किसान चैंबर ऑफ कॉमर्स को राष्ट्रीय स्तर पर बढ़ावा देने पर जोर दिया। जज प्रीतम पाल ने कहा कि आज के समय छोटे व मध्यम किसान कर्ज में डूबा हुआ है। किसानों को समृद्ध बनाना हमारा प्रथम ध्येय है। इस मौके पर भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के डॉ. एसके बिश्नोई, गुजवि से डॉ. भूपेंद्र सिंह आदि मौजूद रहे।

बोले - सरकार को इस तरह की पॉलिसी बनानी चाहिए, जिससे छोटे व मध्यम वर्ग के किसानों को मिल सके ज्यादा लाभ

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक भास्कर, अमर उजाला
दिनांक 16.2.2020 पृष्ठ सं 6 कॉलम 4.5

एचएयू मे आयोजित कृषि मैले में उपकरणे की जानकारी लेते किसान।

एचएयू में प्रौद्योगिकी और मशीनरी प्रदर्शन मेले में 500 किसानों ने जानी नई तकनीक

हिसार| एचएयू के फार्म मशीनरी और पावर इंजीनियरिंग विभाग द्वारा फतेहाबाद जिले के गांव सलामखेड़ा में प्रौद्योगिकी और मशीनरी प्रदर्शन मेला आयोजित किया गया। मेले का उद्घाटन एचएयू के प्रबंधन बोर्ड के सदस्य ईसीपी आहूजा द्वारा किया गया। इस मेले में फसल अवशेष प्रबंधन से संबंधित विभिन्न मशीनरी की प्रदर्शनी भी लगाई गई। ईसीपी आहूजा ने किसानों से विश्वविद्यालय की सुविधाओं का उपयोग करने की अपील की और नए नवाचारों में योगदान देने और जैविक खेती को अपनाने का आह्वान किया। मेले में फसल अवशेषों के इन-सीटू और एक्स-सीटू प्रबंधन से संबंधित विभिन्न तकनीकों जैसे कि हैप्पी सीडर, सुपर-सीडर, मल्चर, धान पुआल चॉपर सह श्रेडर, रोटरी स्लेशर, हे रेक, वर्ग और गोल बेलर, विभिन्न निर्माताओं के नवीनतम ट्रैक्टर प्रदर्शित किए गये। इस मेले में अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना पर फार्म कार्यान्वयन और मशीनरी के अलावा, ऐआईसीआरपी की अन्य योजनाएं भी प्रदर्शित की गई।

फसल अवशेष प्रबंधन की लगाई प्रदर्शनी

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के फार्म मशीनरी और पावर इंजीनियरिंग विभाग द्वारा फतेहाबाद जिले के गांव सलामखेड़ा में प्रौद्योगिकी और मशीनरी प्रदर्शन मेला आयोजित किया गया। मेले का उद्घाटन सदस्य, प्रबंधन बोर्ड, हकृवि, हिसार के ईसीपी आहूजा द्वारा किया गया। मेले में फसल अवशेष प्रबंधन से संबंधित विभिन्न मशीनरी की प्रदर्शनी भी लगाई गई। ईसीपी आहूजा ने अपने अध्यक्षीय भाषण में किसानों से विश्वविद्यालय की सुविधाओं का उपयोग करने की अपील की और नए नवाचारों में योगदान देने और जैविक खेती को अपनाने का आह्वान किया। मेले में फसल अवशेषों के इन-सीटू और एक्स-सीटू प्रबंधन से संबंधित विभिन्न तकनीकों हैप्पी सीडर, सुपर-सीडर, मल्चर, धान पुआल चॉपर सह श्रेडर, रोटरी स्लेशर, हे रेक, वर्ग और गोल बेलर, विभिन्न निर्माताओं के नवीनतम ट्रैक्टर प्रदर्शित किए गए। कुछ मशीनों के लाइव प्रदर्शन भी दिए गए। फसल अवशेष प्रबंधन विषय पर प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालय के बच्चों के लिए पेंटिंग प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। इस अवसर पर डॉ. सुभाष पवार, प्रगतिशील किसान केबी गोदारा, डॉ. संजय, डॉ. विजया रानी, डॉ. मुकेश जैन आदि उपस्थित थे।

लोक संपर्क कार्यालय
चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

समाचार पत्र का नाम दैनिक जागरण, हिसार
दिनांक 16.2.2020 पृष्ठ सं 14, 12 कॉलम 6.7, 6.7

किसानों की मदद करने वाली मशीनों का मेले में प्रदर्शन

जागरण संवाददाता, हिसार: चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के फार्म मशीनरी और पावर इंजीनियरिंग विभाग द्वारा फतेहाबाद जिले के गांव सलामखेड़ा में प्रौद्योगिकी और मशीनरी प्रदर्शन मेला आयोजित किया गया। मेले का उद्घाटन एचएयू के प्रबंधन बोर्ड के सदस्य इंजीनियर सीपी आहूजा द्वारा किया गया। इस मेले में फसल अवशेषों प्रबंधन से संबंधित विभिन्न मशीनरी की प्रदर्शनी भी लगाई गई।

सीपी आहूजा ने किसानों से विश्वविद्यालय की सुविधाओं का उपयोग करने की अपील की। नए नवाचारों में योगदान देने और जैविक खेती को अपनाने का आह्वान किया। मेले में फसल अवशेषों के इन-सीटू और एक्स-सीटू प्रबंधन से संबंधित विभिन्न तकनीकों जैसे कि हैप्पी सीडर, सुपर-सीडर, मल्चर, धान पुआल चॉपर सह श्रेडर, रोटरी स्लेशर, हे रेक, वर्ग और गोल बेलर, विभिन्न निर्माताओं के नवीनतम ट्रैक्टर प्रदर्शित किए गए। कुछ मशीनों के लाइव प्रदर्शन भी दिए गए। इस मेले में अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना पर फार्म कार्यान्वयन और मशीनरी के अलावा, एआइसीआरपी की अन्य योजनाओं ने भी भाग लिया।

किसानों को इन विषयों पर दी गई जानकारी : किसानों को खेती के विभिन्न पहलुओं जैसे ट्रैक्टर की देखभाल और रखरखाव, थ्रेशर का सुरक्षित संचालन, पुआल प्रबंधन तकनीक, उन्नत कृषि उत्पादन के लिए नवीनतम कृषि यंत्र आदि के बारे में जागरूक किया गया। जागरूकता उद्देश्य के लिए फसल अवशेष प्रबंधन विषय पर प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालय के बच्चों के लिए एक पेंटिंग ड्राइंग प्रतियोगिता का भी का आयोजन किया गया। अध्यक्ष, तकनीकी समिति, बागवानी नर्सरी, डा. सुभाष पवार और प्रगतिशील किसान केबी गोदारा ने भी विभिन्न मुद्दों पर सभा को संबोधित किया।

प्रौद्योगिकी और मशीनरी प्रदर्शन मेला आयोजित

हिसार। हकृवि के फार्म मशीनरी और पावर इंजीनियरिंग विभाग द्वारा फतेहाबाद जिले के गांव सलामखेड़ा में प्रौद्योगिकी और मशीनरी प्रदर्शन मेला आयोजित किया गया। मेले का उद्घाटन सदस्य, प्रबंधन बोर्ड, हकृवि के ईसीपी आहूजा, द्वारा किया गया। इस मेले में फसल अवशेषों प्रबंधन से संबंधित विभिन्न मशीनरी की प्रदर्शनी भी लगाई गई।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार-पत्र का नाम ..... सिटी प्लस .....

दिनांक 15.2.2020 पृष्ठ सं. ..... 3 ..... कॉलम ..... 3-4 .....

हरियाणा कृषि विवि द्वारा प्रौद्योगिकी और मशीनरी प्रदर्शन मेला आयोजित

हिसार। मुख्य अतिथि प्रदर्शनी का अवलोकन करते हुए।

सिटी प्लस न्यूज, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के फार्म मशीनरी और पावर इंजीनियरिंग विभाग द्वारा गांव सल्लाम खेड़ा में प्रौद्योगिकी और मशीनरी प्रदर्शन मेला आयोजित किया गया। मेले का उद्घाटन सदस्य, प्रबंधन बोर्ड, हकृवि, हिसार के ई. सी.पी. आहूजा, द्वारा किया गया। इस मेले में फसल अवशेषों प्रबन्धन से संबंधित विभिन्न मशीनरी की प्रदर्शनी भी लगाई गई। आहूजा ने किसानों से विश्वविद्यालय की सुविधाओं का उपयोग करने की अपील की और नए नवाचारों में योगदान देने और जैविक खेती को अपनाने का आह्वान किया। मेले में फसल अवशेषों के इन-सीटू और एक्स-सीटू प्रबंधन से संबंधित विभिन्न तकनीकों जैसे कि हैप्पी सीडर, सुपर-सीडर, मल्चर, धान पुआल चॉपर सह ब्रेडर, रोटरी स्लेशर, हे रेक, वर्ग और गोल बेलर, विभिन्न निर्माताओं के नवीनतम ट्रैक्टर प्रदर्शित किए गये। कुछ मशीनों के लाइव प्रदर्शन भी दिए गए। किसानों को खेती के विभिन्न पहलुओं जैसे ट्रैक्टर की देखभाल और रखरखाव, ब्रेशर का सुरक्षित संचालन, पुआल प्रबंधन तकनीक, उन्नत कृषि उत्पादन के लिए नवीनतम कृषि यंत्र आदि के बारे में जागरूक किया गया। जागरूकता उद्देश्य के लिए फसल अवशेष प्रबंधन विषय पर प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालय के बच्चों के लिए एक पेंटिंग ड्राइंग प्रतियोगिता का भी का आयोजन किया गया। अध्यक्ष, तकनीकी समिति, बागवानी नर्सरी, डॉ. सुभाष पवार और प्रगतिशील किसान श्री के.बी. गोदारा, ने भी विभिन्न मुद्दों पर सभा को संबोधित किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार–पत्र का नाम ....पाठक पक्ष........

दिनांक ....16.2.2020.... पृष्ठ सं. ....2.... कॉलम ....1-2....

हकृवि द्वारा प्रौद्योगिकी और मशीनरी प्रदर्शन मेला आयोजित

हिसार, 16 फरवरी (निस) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के फार्म मशीनरी और पावर इंजीनियरिंग विभाग द्वारा फतेहाबाद जिले के गाँव सलामखेड़ा में प्रौद्योगिकी और मशीनरी प्रदर्शन मेला आयोजित किया गया। मेले का उद्घाटन सदस्य, प्रबंधन बोर्ड, हकृवि, हिसार के ई. सी.पी. आहुजा, द्वारा किया गया। इस मेले में फसल अवशेषो प्रबन्धन से संबंधित विभिन्न मशीनरी की प्रदर्शनी भी लगाई गई। ई.सी.पी. आहुजा ने अपने अध्यक्षीय भाषण में, किसानों से विश्वविद्यालय की सुविधाओं का उपयोग करने की अपील की और नए नवाचारों में योगदान देने और जैविक खेती को अपनाने का आह्वान किया। मेले में फसल अवशेषों के इन–सीटू और एक्स–सीटू प्रबंधन से संबंधित विभिन्न तकनीकों जैसे कि हैप्पी सीडर, सुपर–सीडर, मल्चर, धान पुआल चॉपर सह श्रेडर, रोटरी स्लेशर, हे रेक, वर्ग और गोल बेलर, विभिन्न निर्माताओं के नवीनतम ट्रैक्टर प्रदर्शित किए गये। कुछ मशीनों के लाइव प्रदर्शन भी दिए गए। इस मेले में अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना पर फार्म कार्यान्वयन और मशीनरी के अलावा, ऐआईसीआरपी की अन्य योजनाओं ने भी भाग लिया। किसानों को खेती के विभिन्न पहलुओं जैसे ट्रेक्टर की देखभाल और रखरखाव, थ्रेशर का सुरक्षित संचालन, पुआल प्रबंधन तकनीक, उन्नत कृषि उत्पादन के लिए नवीनतम कृषि यंत्र आदि के बारे में जागरूक किया गया। जागरूकता उद्देश्य के लिए फसल अवशेष प्रबंधन विषय पर प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालय के बच्चों के लिए एक पेंटिंग ड्राइंग प्रतियोगिता का भी का आयोजन किया गया। अध्यक्ष, तकनीकी समिति, बागवानी नर्सरी, डॉ. सुभाष पवार और प्रगतिशील किसान श्री के.बी. गोदारा, ने भी विभिन्न मुद्दों पर सभा को संबोधित किया। इस अवसर पर हेड, मृदा और जल इंजीनियरिंग, डॉ. संजय और फार्म मशीनरी और पावर इंजीनियरिंग विभाग के प्रमुख डॉ. विजया रानी भी उपस्थित थें। मेला के समन्वयक डॉ. मुकेश जैन ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा। इस मेले में लगभग 500 किसानों ने भाग लिया।